भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 153
उत्तर देने की तारीख: 02.03.2020

हिन्दी माध्यम में पुस्तकों की उपलब्धता

***153. श्री गिरीश चन्द्रः**
श्री श्याम सिंह यादवः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उन केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के नाम क्या हैं जहां सभी पाठ्यक्रमों की पुस्तकें अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है;
(ख) क्या सरकार का सभी विश्वविद्यालयों के छात्रों को सभी पाठ्यक्रमों की पुस्तकें हिन्दी भाषा में उपलब्ध कराने का विचार है क्योंकि अनेक छात्र अपना इंटरमीडिएट स्तर का अध्ययन हिन्दी माध्यम में पूरा करते हैं;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (घ) विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

*****

हिन्दी माध्यम में पुस्तकों की उपलब्धता के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री गिरीश चन्द्र और श्री श्याम सिंह यादव द्वारा दिनांक 02.03.2020 को लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 153 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (घ) : केंद्रीय विश्वविद्यालय संसद के अधिनियम के तहत सृजित स्वायत्त संस्थान हैं जो अपने स्वयं के अधिनियमों, सविधियों, अध्यादेशों आदि द्वारा शासित होते हैं और अपने सांविधिक निकायों के अनुमोदन से शिक्षण माध्यम, शैक्षणिक विषय सामग्री, पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या जैसे अपने शैक्षिणक मामलों का निर्णय लेने के लिए सक्षम हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) केंद्रीय विश्वविद्यालयों के दैनिक शैक्षणिक/प्रशासनिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता किंतु 18.02.2016 को आयोजित केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति सम्मेलन में, सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने एकमत से यह संकल्प पारित किया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई छात्र भाषायी अवरोधों के कारण उच्चतर शिक्षा से वंचित न हो, इस हेतु विश्वविद्यालय राज्य की एक भारतीय भाषा तथा अंग्रेजी में शिक्षण सुनिश्चित करें।

*****